

सांप-सीढ़ी पर गणित सीख रहे बच्चे

धीरे-धीरे सिन्हा • बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल गांव मढ़ना के सरकारी प्राथमिक स्कूल ने बच्चों को अंग्रेजी और गणित सिखाने का रोचक तरीका ढूंढ निकाला। बिलासपुर जिले



सुविधित समाज

के गौरेला बर्लाक स्थित इस गांव में प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों ने कक्षा में विशेष सांप-सीढ़ी बनाई। इस पर उक्रेरे गप, अंकों और अक्षरों के जरिये बच्चे जोड़-घटाना-गुणा-भाग तो सीख ही रहे हैं, अंग्रेजी के शब्द और वाक्य भी बना रहे हैं।

अब पहाड़ा सभी बच्चों को कंठस्थ हो चुका है। वे स्कूल में अंग्रेजी में ही बात करने का अभ्यास भी करने लगे हैं। सभी इसका श्रेय प्रधान पाठक राधेश्याम चतुर्वेदी को देते हैं, जिनका यह आइडिया था। सरकारी शिक्षा व्यवस्था के ढेर से परे



बिलासपुर, छत्तीसगढ़ : गांव मढ़ना स्थित प्राथमिक पाठशाला के क्लासरूम में बनाई गई सांप-सीढ़ी पर अभ्यास करते बच्चे • नईदुनिया

इस स्कूल के बच्चे खेल-खेल में पढ़ाई करते हैं। सबसे बड़ी बात कि उनमें शिक्षा को लेकर रुचि उत्पन्न हो गई है।

कक्षा में फर्श पर बनाई गई सांप-सीढ़ी देखने में जितनी आकर्षक है, इस पर पढ़ाई का तरीका खना ही मजेदार। एक-एक कर बच्चों को सांप-सीढ़ी पर उतारा जाता है। इसके जरिये पहाड़ा, अंकों का

जोड़ना-घटाना, अंग्रेजी में शब्द-वाक्य रचना आदि सीखना बच्चों को बहुत पसंद आता है। सभी अपनी बारी का इंतजार करते हैं। सभी बच्चों को 20 तक का पहाड़ा कंठस्थ है। स्कूल परिसर में सभी अंग्रेजी में बात करने का प्रयास करते हैं।

स्कूल में कक्षा एक से पांच तक की

खेल-खेल में

- आदिवासी बहुल है छत्तीसगढ़ का यह गांव, बच्चों को भा सी युवित
- गणित के अलावा अंग्रेजी भी सीख रहे बच्चे

पढ़ाई होती है। अधिकांश बच्चे गरीब परिवारों से हैं। छात्रों की संख्या फिलहाल 25 ही है, लेकिन यह अब धीरे-धीरे बढ़ रही है। पहाड़ों व जंगलों के बीच आदिवासी इलाके में स्थित इस स्कूल में अन्य बातों का भी ध्यान रखा जा रहा है। मसलन, परिसर में सभी बच्चों के नाम से पौधे लगाए गए हैं। बच्चे अपने नाम के पौधों में पानी देते हैं। सूचना पटल पर शिक्षकों की योग्यता और उनके फोन नंबर अंकित हैं। सुबह प्रार्थना के साथ व्यायाम और योगाभ्यास कराया जाता है। बच्चों को गणित और अंग्रेजी में निपुण बनाने के अलावा सामान्य ज्ञान पर भी शिक्षक जोर दे रहे हैं।